श्रीमत् वेदान्त रामानुज मुनि करुणालब्ध वेदान्त युग्मम्
श्रीमत् श्रीवास योगीश्वर गुरुपदयोर्पित स्वात्मभारम्
श्रीमत् श्रीरङ्गनाताह्वय मुनिकृपया प्राप्त मोक्षाश्रमं तं
श्रीमत् वेदान्त रामनुज मुनिमपरम् संश्रये देशिकेन्द्रम्

श्रीमत् श्रीवास योगीश्वर मुनि करुणालब्ध वेदान्त युग्मम्
श्रीमत् वेदान्त रामानुज गुरुपदयोर्पित स्वात्मभारम्
श्रीमत् श्रुत्यन्त रामानुज यति नृपतेः प्राप्त मोक्षाश्रमं तं
श्रीमत् श्रीवास रामनुजमुनिं संश्रये ज्ञानवार्धिम्

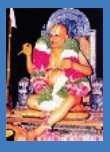

वेदान्त लक्ष्मण मुनीन्द्र कृपात्त बोधम्
तत्पाद युग्म सरसीरुह भृङ्गराजम्
त्रय्यन्त युग्म कृतभूरि परिश्रमं तं
श्रीरङ्ग लक्ष्मणमुनिम् शरणं प्रपद्ये

श्री महालक्ष्मी अष्टोत्तर शतनामावळिः

shrI mahAlakShmI aShTottara shatanAmAvaLiH

श्री महालक्ष्मी अष्टोत्तर शतनामावळिः

ओं प्रकृत्यै नमः
ओं विकृत्यै नमः
ओं विद्यायै नमः
ओं सर्वभूत हित प्रदायै नमः
ओं श्रद्धायै नमः
ओं विभूत्यै नमः
ओं सुरभ्यै नमः
ओं परमात्मिकायै नमः
ओं वाचे नमः
ओं पद्मालयायै नमः
ओं पद्मायै नमः
ओं शुचये नमः
ओं स्वाहायै नमः
ओं स्वधायै नमः
ओं सुधायै नमः
ओं धन्यायै नमः
ओं हिरण्मय्यै नमः
ओं लक्ष्म्यै नमः
ओं नित्य पुष्टायै नमः
ओं विभावर्यै नमः
ओं अदित्यै नमः
ओं दित्यै नमः
ओं दीप्तायै नमः
ओं वसुधायै नमः
ओं वसुधारिण्यै नमः
ओं कमलायै नमः
ओं कान्तायै नमः

ओं क्षमायै नमः
ओं क्षिरोद् सम्भवायै नमः
ओं अनुग्रह प्रदायै नमः
ओं बुद्धये नमः
ओं अनघायै नमः
ओं हरिवल्लभायै नमः
ओं अशोकायै नमः
ओं अमृतायै नमः
ओं दीप्तायै नमः
ओं लोकशोक विनाशिन्यै नमः
ओं धर्म निलयायै नमः
ओं करुणायै नमः
ओं लोकमात्रे नमः
ओं पद्म प्रियायै नमः
ओं पद्म हस्तायै नमः
ओं पद्माक्ष्यै नमः
ओं पद्म सुन्दर्यै नमः
ओं पद्मोद्भवायै नमः
ओं पद्म मुख्यै नमः
ओं पद्मनाभ प्रियायै नमः
ओं रमायै नमः
ओं पद्ममाला धरायै नमः
ओं देव्यै नमः
ओं पद्मिन्यै नमः
ओं पद्म गन्धिन्यै नमः
ओं पुण्य गन्धायै नमः
ओं सुप्रसन्नायै नमः

श्री महालक्ष्मी अष्टोत्तर शतनामावळिः

ओं प्रसादाभि मुख्यै नमः

ओं प्रभायै नमः

ओं चन्द्र वदनायै नमः

ओं चन्द्रायै नमः

ओं चन्द्र सहोदर्यै नमः

ओं चतुर्भुजायै नमः

ओं चन्द्र रूपायै नमः

ओं इन्दिरायै नमः

ओं इन्दु शीतलायै नमः

ओं आह्लाद जनन्यै नमः

ओं पुष्ट्यै नमः

ओं शिवायै नमः

ओं शिव कर्यै नमः

ओं सत्यै नमः

ओं विमलायै नमः

ओं विश्व जनन्यै नमः

ओं तुष्टयै नमः

ओं दारिद्र्य नाशिन्यै नमः

ओं प्रीति पुष्करिण्यै नमः

ओं शान्तायै नमः

ओं शुक्ल माल्याम्बरायै नमः

ओं श्रियै नमः

ओं भास्कर्यै नमः

ओं बिल्व निलयायै नमः

ओं वरारोहायै नमः

ओं यशस्विन्यै नमः

ओं वसुन्धरायै नमः

ओं उदाराङ्गायै नमः

ओं हरिण्यै नमः

ओं हेममालिन्यै नमः

ओं धनधान्य कर्यै नमः

ओं सिद्धये नमः

ओं स्त्रैण सौम्यायै नमः

ओं शुभ प्रदाये नमः

ओं नृपवेश्म गतानन्दायै नमः

ओं वरलक्ष्म्यै नमः

ओं वसुप्रदायै नमः

ओं शुभायै नमः

ओं हिरण्य प्राकारायै नमः

ओं समुद्र तनयायै नमः

ओं जयायै नमः

ओं मङ्गळ देव्यै नमः

ओं विष्णु वक्षस्स्थल स्थितायै नमः

ओं विष्णु पत्न्यै नमः

ओं प्रसन्नाक्ष्यै नमः

ओं नारायण समाश्रितायै नमः

ओं दारिद्र्य ध्वंसिन्यै नमः

ओं देव्यै नमः

ओं सर्वोपद्रव वारिण्यै नमः

ओं नव दुर्गायै नमः

ओं महाकाळ्यै नमः

ओं ब्रह्मा विष्णु शिवात्मिकायै नमः

ओं त्रिकालज्ञान सम्पन्नायै नमः

ओं भुवनेश्वर्यै नमः

श्री महालक्ष्म्यै नमः